सीएसए में मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।
कानपुर
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 22 अगस्त 2022 से छह दिवसीय (22 से 27 अगस्त 2022) मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर ध र्मराज सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न कृषि अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्व एवं इनके औषधीय गुणों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ विश्वास ने उत्तर प्रदेश में अलग–अलग मौसम में मशरूम की प्रजातियों की खेती की जानकारी दी। उन्होंने दूधिया मशरूम उत्पादन बनाने की विधि

ा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ विश्वास ने स्पान बनाने की विधि, धींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम, पुआल मशरूम एवं बटन मशरूम की खेती की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। और साथ ही इस में लगने वाले कीट रोगों के प्रबंधन के विषय में भी बताया। उन्होंने बताया कि किसान कम खर्च एवं कम जगह में मशरूम की खेती को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

सीएसए में प्रगतिशील कृषकों एवं कार्मिकों का तीन दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण प्रारंभ

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।
कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृ षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज तीन दिवसीय प्रगतिशील कृषकों एवं कार्मिकों का डेयरी प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसारध समन्वयक डॉ एके सिंह उपस्थित रहे।उन्होंने पशुपालन का महत्व एवं आय जनित पशुपालन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि डेयरी फार्मिंग एकल विपणन सहकारी के साथ भारत का सबसे बड़ा आत्मनिर्भर उद्योग और इसका सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार प्रदाता है। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को संबोधित करते हुए कहा डेयरी फार्मिंग से आप आत्मनिर्भर बन बेरोजगारों को रोजगार भी प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर डॉक्टर पी के राठी सह निदेशक प्रसार ने सहकारी डेरी के क्रियान्वयन हेतु स्वयं सहायता समूह के गठन विषय पर चर्चा की । श्री सोहन लाल वर्मा ने पशुओं में चारा द्वारा प्रबंधन विषयक जानकारी दी। गृह विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पीके उपाध्याय ने कृषकों को डेरी स्थापना पर चर्चा करते हुए विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम का संचालन श्री सोहन लाल वर्मा वैज्ञानिक पशुपालन द्वारा किया गया।यह कार्यक्रम सहकारी डेरी प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान वाराणसी द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ अनिल सिंह सहित 50 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

बिठूर के पत्थर घाट पर सुरक्षा व्यवस्था की

जाएगा।

मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी. आर. सिंह के निर्देश के क्रम में छह दिवसीय (22 अगस्त से 27 अगस्त 2022) मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्मराज सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न कृषि अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्व एवं इनके औषधीय गुणों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ विश्वास ने उत्तर प्रदेश में अलग–अलग मौसम में मशरूम की प्रजातियों की खेती की जानकारी दी। उन्होंने दूधिया मशरूम उत्पादन बनाने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ विश्वास ने स्पान बनाने की विधि, ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम, पुआल

मशरूम एवं बटन मशरूम की खेती की विस्तार पूर्वक जानकारी दी और साथ ही इस में लगने वाले कीट रोगों के प्रबंधन के विषय में भी बताया। उन्होंने बताया कि किसान कम खर्च एवं कम जगह में मशरूम की खेती को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 23 अगस्त • 2022

अधिक लोग भाग ले रहे हैं।

मशरूम प्रशिक्षण दिखायेगा रोजगार की राह : सीएसए में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी सोमवार को आरंभ किया गया। शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्मराज सिंह ने किया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान व बेरोजगार युवक मशरूम उत्पादन का सफल रोजगार कर सकेंगे। प्रशिक्षण संयोजक पादप रोग विज्ञान विभाग के डॉ.एसके विश्वास ने मशरूम में पाये जाने वाले पोषक तत्वों एवं इनके औषधीय गुणों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसान कम जगह में कम लागत से घरों के अंदर या बाहर शेड-झोपड़ी बनाकर मशरूम की फसल उगा अतिरिक्त आय कर सकते हैं।

अधिकतम तापमान 31.00° » न्यूनतम तापमान 24.00° » सूर्योदय 5.49 » सूर्यास्त 18.02 »

छोटीबड़ीबात
आज ही के दिन 2007 में यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में ऋग्वेद की 30 पांडुलिपियां शामिल की गई थीं।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

dainikbhaskarup.com

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

प्रदेश में लोक कलाओं को सहेजने का प्रयास 12

मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण प्रारंभ

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में 22 से छह दिवसीय 27 अगस्त मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न कृषि अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्व एवं इनके औषधीय गुणों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ विश्वास ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग मौसम में मशरूम की प्रजातियों की खेती की जानकारी दी। उन्होंने दूधिया मशरूम उत्पादन बनाने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ विश्वास ने स्पान बनाने की विधि, धींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम, पुआल मशरूम एवं बटन मशरूम की खेती की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। और साथ ही इस में लगने वाले कीट रोगों के प्रबंधन के विषय में भी बताया। उन्होंने बताया कि किसान कम खर्च एवं कम जगह में मशरूम की खेती को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

अमर उजाला 23/08/2022

ढींगरी मशरूम में होता है ज्यादा पोषण

डॉ. बिस्वास ने बताया कि ढींगरी मशरूम पोषकीय और औषधीय गुणों से भरपूर होता है। यह कुपोषण और कई बीमारियों के निवारण में सहायक है।

छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

सीएसए में सोमवार से मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक विषय पर छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और औषधीय गुणों के बारे में बताया। डॉ. एसके बिस्वास ने स्पॉन बनाने की विधि, ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम, पुआल मशरूम और बटन मशरूम की खेती के बारे में बताया।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • मंगलवार • 23 अगस्त • 2022

प्रगतिशील किसानों व कर्मचारियों को डेयरी प्रशिक्षण

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में प्रगतिशील किसानों व कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को आरंभ किया गया। कार्यक्रम में वतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए विवि के निदेशक प्रसार-समन्वयक डॉ.एके सिंह ने इस अवसर पर पशुपालन के महत्व, इसके लाभ व आय की चर्चा की। उन्होंने कहा कि डेयरी फार्मिंग एकल विपणन सहकारी के साथ भारत का सबसे बड़ा आत्मनिर्भर उद्योग है और यह एक बड़ा ग्रामीण रोजगार प्रदाता क्षेत्र है। डेयरी प्रशिक्षण से बेरोजगार इस क्षेत्र में रोजगार कर आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

सह निदेशक प्रसार डॉ.पीके राठी ने किसानों को प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं सहायता समूह गठित कर कारोवार करने के लिए प्रोत्साहित किया। सोहन लाल वर्मा ने चारा प्रबंधन की बारीकियां बताईं। विवि के गृह विज्ञान कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ.पीके उपाध्याय ने डेयरी स्थापना पर मार्गदर्शन किया। सहकारी डेयरी प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान वाराणसी के सहयोग से प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आरंभ मौके पर सह निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चन्द्रा व डॉ.अनिल सिंह भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 से अधिक लोग भाग ले रहे हैं।

सीएसए में प्रगतिशील किसानों व कर्मचारियों के लिए शुरू किये गये डेयरी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल लोग। फोटो : एसएनबी

> प्रशिक्षण प्राप्त कर किसानों को स्वयं सहायता समूह गठित कर कारोबार करने के लिए किया गया प्रोत्साहित

मशरूम प्रशिक्षण दिखायेगा रोजगार की राह : सीएसए में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी सोमवार को आरंभ किया गया। शुभारंभ वतौर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्मराज सिंह ने किया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान व बेरोजगार युवक मशरूम उत्पादन का सफल रोजगार कर सकेंगे। प्रशिक्षण संयोजक पादप रोग विज्ञान विभाग के डॉ.एसके विश्वास ने मशरूम में पाये जाने वाले पोषक तत्वों एवं इनके औषधीय गुणों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसान कम जगह में कम लागत से घरों के अंदर या बाहर शेड-झोपड़ी बनाकर मशरूम की फसल उगा अतिरिक्त आय कर सकते हैं।

सीएसए में मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण शुरू

कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी व अन्य।

कानपुर, 22 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज छह दिवसीय (22 से 27 अगस्त 2022) मशरूम की उन्नत उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्मराज सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न कृषि अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्व एवं इनके औषधीय गुणों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ विश्वास ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग मौसम में मशरूम की प्रजातियों की खेती की जानकारी दी। उन्होंने दूधिया मशरूम उत्पादन बनाने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

छह दिनों तक चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ विश्वास ने स्पान बनाने की विधि, धींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम, पुआल मशरूम एवं बटन मशरूम की खेती की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। और साथ ही इस में लगने वाले कीट रोगों के प्रबंधन के विषय में भी बताया। उन्होंने बताया कि किसान कम खर्च एवं कम जगह में मशरूम की खेती को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

प्रगतिशील कृषकों और कार्मिकों का तीन दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण प्रारंभ

कानपुर, 22 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के प्रसार निदेशालय में आज तीन दिवसीय प्रगतिशील कृषकों एवं कार्मिकों का डेयरी प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने पशुपालन के महत्व एवं आय जनित पशुपालन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि डेयरी फार्मिंग एकल विपणन सहकारी के साथ

कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक।

भारत का सबसे बड़ा आत्मनिर्भर उद्योग और इसका सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार प्रदाता है। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को संबोधित करते हुए कहा डेयरी फार्मिंग से आप आत्मनिर्भर बन बेरोजगारों को रोजगार भी प्रदान करेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर पी के राठी सह निदेशक प्रसार ने सहकारी डेरी के क्रियान्वयन हेतु स्वयं सहायता समूह के गठन विषय पर चर्चा की । श्री सोहन लाल वर्मा ने पशुओं में चारा द्वारा प्रबंधन विषयक जानकारी दी। गृह विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पीके उपाध्याय ने कृषकों को डेरी स्थापना पर चर्चा करते हुए विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम का संचालन श्री सोहन लाल वर्मा वैज्ञानिक पशुपालन द्वारा किया गया।यह कार्यक्रम सहकारी डेरी प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान वाराणसी द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ अनिल सिंह सहित 50 से अधिक लोग उपस्थित रहे।